संपूर्ण संयुक्त राज्य और उसके बाहर भिन्न संस्थागत भूमिकाओं का निर्वहन करते हुए जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि और शैक्षणिक विषयों के कार्यक्षेत्र में हेटेरोडॉक्स अकादमी में 5,000 से अधिक सदस्य हैं। जैसाकि ऐसे विषम नेटवर्क से अपेक्षित है, हमारे सदस्य किसी भी विषय पर चर्चा के लिए हमारे सदस्यों के विचार भांति-भांति के होते हैं। रचनात्मक असहमति को महत्व देते हुए संस्थान के रूप में हम अनेकता को मूल्यवान मानते हैं।

बहरहाल, विविधता के दृष्टिकोण से हम इसे प्रोत्साहन नहीं देते हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अनुसंधान और शिक्षण में सुधार करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। हमारा मानना है कि पारंपरिक अर्थों में उच्च शिक्षा के संस्थान 'सार्वजनिक जगह' नहीं, बल्कि ज्ञान की उत्पति और विस्तार स्थल हैं। इन्हीं उद्देश्यों को आसान बनाने के लिए, हम मानदंडों और मूल्यों के विशेष स्वरूप का पालन करते हैं, जिसे हमने 'HxA Way' का नाम दिया है। अपने सदस्यों को उनकी सभी पेशेवर पारस्परिक क्रियाओं में इन्हें अपनाने के लिए हम प्रोत्साहित करते हैं।

The HxA Way

1 अपना पक्ष प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

जब भी संभव हो उसे प्रमाण सहित प्रस्तुत करें (सोशल मीडिया पर ऑनलाइन प्रकाशनों के लिए), या जब आप
ऐसा न कर सकें तो उसका उल्लेख करें (जैसे वार्तालाप या संवाद में)। किसी भी प्रकार के विशिष्ट आंकड़े, हवाले या अनूठे तथ्य विश्वसनीय स्रोतों से होने चाहिए।

2 बौद्धिक तौर पर परोपकारी बनें।

नैतिक या बौद्धिक दृढता से दृष्टिकोण की विविधता असंगत नहीं – इससे वास्तव में नैतिक और बौद्धिक चपलता बढ़ती है। बहरहाल, असहमत होने वाली स्थिति से व्यक्ति को सदा सर्वाधिक मजबूती से जुड़ने (यानी 'स्ट्रॉ-मैनिंग' की बजाए 'स्टील-मैन' विरोधी) की कोशिश करनी चाहिए। व्यक्ति अपने अंतर्वादीय स्थिति का ऐसा वर्णन करने में सक्षम होना चाहिए जिससे वो स्वयं सहमत हो (देखें: 'वैचारिक ट्यूरिंग टेस्ट')। जिस तरीके या विचार से आप आलोचना कर रहे हों, वो चाहे आंशिक या पूर्ण रूप से हो, यथासंभव स्वीकारने की कोशिश करें कि सही हो सकता है। कारणों को तलाशें कि दूसरों के विश्वास क्यों सम्मोहक हो सकते हैं, इस धारणा के अंतर्गत कि आमतौर पर अन्य अपने जैसे ही तर्कसंगत, जानकारीयुक्त और बुद्धिमान हैं।

3 बौद्धिक रूप से विनम्र रहें।

अपने गलत होने की संभावना को गंभीरता से स्वीकारें। वार्ताकारों से यही अपेक्षा होती है कि किसी भी मुद्दे पर अपना मन बदलने के लिए सदैव तैयार रहें (हालांकि यहां बताए अनुसार मतभेद के आदान-प्रदान का उद्देश्य सदा किसी को 'रूपांतरित' करना नहीं होता)। प्रासंगिक होने पर अपने तर्कों और डेटा की सीमाएं स्वीकारें।

4 रचनात्मक बनें।

अपने सामाजिक, सौंदर्य और प्राकृतिक दुनिया की गहन समझ से अधिकांश बौद्धिक आदान-प्रदान का उद्देश्य "जीतना" नहीं, बल्कि सभी पक्षों को भिड़ंत से बचना चाहिए। वार्ताकार के सशक्त भाग को अपने में एकीकृत करने के तरीकों की कल्पना करने की कोशिश करें। केवल आलोचना ही न करें, व्यवहार्य सकारात्मक विकल्पों पर विचार करें। विचाराधीन समस्याओं के समाधान हेतु नई संभावनाओं या व्यावहारिक प्रयास किए जा सकने की कोशिश करें। इस मार्गदर्शन का परिणाम कटाक्ष, अवमानना, शत्रुता और ताने से बचना है। लोगों की बजाय आमतौर पर विचारों को लक्ष्य बनाएं। जिनसे आप असहमत हों, उनके विचारों से इनकार करने या उन्हें बदनाम करने की कोशिश में नकारात्मक उद्देश्यों का सहारा न लें। कथित समस्याओं या (विशेषकर) किसी के विरोधियों का उल्लेख करते समय अतिशयोक्ति से बचें - उदाहरण के लिए, स्टालिन, हिटलर/ नाजियों, माओ, 1984के विरोधियों आदि से लोगों की समानता न करें।

5 स्वयं में टिके रहें।

किसी भी जटिल प्रणाली या संस्थान में दुर्भाग्यपूर्ण गतिशीलता को सफलतापूर्वक बदलने – फायदा उठाने और मार्ग पर बने रहने, प्रतिकूल प्रवृत्तियों के विपरीत पीछे हटने और उदाहरण से नेतृत्व करने और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दांव पर लगाने के लिए हेटेरोडॉक्स अकादमी में, हमारा मानना है कि लोगों को मुकाबला करना होगा। इसका न केवल तत्काल और स्थानीय प्रभाव होता है, बल्कि इससे जागरूकता फैलाने में मदद मिलने के साथ-साथ दूसरों के लिए मॉडल बनकर मुकाबला करने का हौसला बढ़ता है। सदस्यता में सार्थक प्रतिबद्धता है क्योंकि यह सार्वजनिक है; इसीलिए हेटेरोडॉक्स अकादमी में गुमनाम सदस्यता की अनुमति नहीं है।